**भारत सरकार**
**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय**
**मत्स्यपालन विभाग**

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 1278**
**11 फरवरी, 2025 को उत्तर के लिए**

**मछली बाजार**

**+1278. श्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी:**

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में एक्वेरियम और ओरनामेंटल मछली बाजार का अनुमानित क्षेत्र कितना है तथा इनका आर्थिक योगदान कितना है;
(ख) गत तीन वर्षों के दौरान एक्वेरियम, एक्वेरियम उपकरण, ओरनामेंटल मछली, जलीय पौधे और एक्वेरियम सजावट से जुड़े आयात और निर्यात का वर्षवार कुल मूल्य कितना है;
(ग) क्या सरकार ने देश में एक्वेरियम और ओरनामेंटल मछली उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त क्षेत्र में प्रजनकों, निर्यातकों और उद्यमियों को सहायता देने के लिए क्या कोई योजना बनाई गई हैं, राजसहायता प्रदान की गई है या पहल की गई हैं; और
(ङ) ओरनामेंटल मछली उद्योग में सतत परिपाटियों को प्रोत्साहित करने और जैव विविधता और पर्यावरण नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु क्या उपाय किए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री**
**(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)**

(क): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद –केंद्रीय मीठाजल जीवपालन अनुसंधान संस्थान / सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेशवॉटर एक्वाकल्चर (सिफा), भुवनेश्वर ने सूचित किया है कि भारतीय ओरनामेंटल फिश इंडस्ट्री का मूल्य लगभग 3,000 करोड़ रुपए है, जिसमें ओरनामेंटल फिश की ब्रीडिंग, रियरिंग, ट्रेड, एक्वेरियम सहायक उपकरण, एक्वेटिक प्लांट्स और सजावटी सामान शामिल हैं, जो रोजगार और उद्यमिता में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

(ख): वाणिज्यिक जानकारी और सांख्यिकी महानिदेशालय / डायरेक्टरेट जनरल ऑफ कमेरशियल इंटेल्लीजेंस एंड स्टैटिसटिक्स (डीजीसीआईएस) और समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण / मरीन प्रॉडक्ट एक्सपोर्ट डेवलपमेन्ट एथोरीटी (एमपीईडीए) द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार, विगत तीन वर्षों में ओरनामेंटल फिश और एक्वेटिक प्लांट्स के निर्यात और आयात का कुल मूल्य नीचे दिया गया है:

(रुपए करोड़ में)

| | 2021-22 | 2022-23 | 2023-24 |
|---|---|---|---|
| निर्यात | 250.05 | 303.68 | 241.281 |
| आयात | 32.18 | 13.63 | 15.04 |

(ग) और (घ): मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने देश में ओरनामेंटल फिशरीस को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत, विगत चार वित्तीय वर्षों (2020-21 से 2023-24) और वर्तमान वित्तीय वर्ष (2024-25) के दौरान 230.45 करोड़ रुपए की कुल लागत से 2465 ओरनामेंटल फिश रियरिंग यूनिट्स, 207 इंटीग्रेटेड ओरनामेंटल फिश (ब्रीडिंग एंड रियरिंग) यूनिट्स, 5 मीठे पानी की ओरनामेंटल फिश ब्रूड बैंक यूनिट्स और रिक्रिएशनल फिशरीस के प्रोत्साहन के लिए 144 यूनिट्स को मंजूरी दी गई है। मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने 2024-25 के दौरान पीएमएमएसवाई के अंतर्गत तमिलनाडु के मदुरै जिले को ओरनामेंटल फिशरिज क्लस्टर के रूप में भी अधिसूचित किया है।

(ङ): मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार ने वर्ष 2017 में भारत में सजावटी मछलियों (ओरनामेंटल फिश) के आयात के लिए सैनिटरी प्रोटोकॉल जारी किया है, ताकि विभिन्न सजावटी मछली प्रजातियों के आयात को विनियमित किया जा सके तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना बीजों का उत्पादन और विभिन्न देशों को निर्यात सुनिश्चित किया जा सके। आईसीएआर- सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेशवॉटर एक्वाकल्चर (सिफा) ने सूचित किया है कि भारत भर के विभिन्न क्षेत्रों से 16 देशी सजावटी मछली प्रजातियों के लिए ब्रीडिंग तकनीकों को सफलतापूर्वक मानकीकृत किया गया है। इस पहल का उद्देश्य कैप्टिव ब्रीडिंग को बढ़ावा देना,वाइल्ड फिश आबादी पर दबाव कम करना और ओरनामेंटल फिशरिज क्षेत्र में सतत (सस्टेनेबल) जलीय कृषि विकास को सहायता प्रदान करना है। ये प्रगति घरेलू उत्पादन को बढ़ाने, निर्यात क्षमता में वृद्धि और देशी मत्स्य जैव विविधता के संरक्षण को प्रोत्साहित करने में भी योगदान देती है।

*****